बी.एच.डी.सी.-105

बी.ए. (आनर्स) हिन्दी (सी.बी.सी.एस.)
(बी.ए.एच.डी.एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

बी.एच.डी.सी.-105 : छायावादोत्तर हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है ।*

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं ***तीन*** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *3×12=36*

(क) एक रोष से
घन गरजे जन गरजे
क्षिति की छाती को लख जर्जर
एक शोध से
घन गरजे जन गरजे
देख नाश का ताण्डव बर्बर
एक बोध से
घन गरजे जन गरजे ।

(ख) शिवजी की तीसरी आँख से
निकली हुई महाज्वाला में
घृतमिश्रित सूखी समिधा-सम
कामदेव जब भस्म हो गया
रति का क्रंदन सुन आँसू से
तुमने ही तो दृग धोए थे ?

(ग) क्षमा शोभती उस भुजंग को
जिसके पास गरल हो
उसको क्या, जो दंतहीन,
विषरहित, विनीत, सरल हो ?

(घ) कला के जोड़-सी जग-गुत्थियाँ ये,
हृदय के होड़-सी दृढ़ वृत्तियाँ ये,
तिरंगे की तरंगों पर चढ़ाते,
कि शत-शत ज्वार तेरे पास आते ।
तुझे सौगंध है घनश्याम की आ,
तुझे सौगंध भारत धाम की आ,
तुझे सौगंध सेवा-ग्राम की आ,
कि आ, आकर उजड़तों को बचा, आ ।

(ङ) किसी सूखाग्रस्त गाँव के
कुत्ते की तरह
सिवान पर दम तोड़ता
मिलता है हर सवाल,
जहाँ लिखा है –
'यह जगह आपकी है
कृपया इसे गंदा न कीजिए ।'

2. प्रगतिवाद के प्रमुख कवियों के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए । *16*

3. नई कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए । *16*

4. 'समकालीन कविता' विषय पर एक निबंध लिखिए । *16*

5. केदारनाथ अग्रवाल की प्रकृति और प्रेम संबंधी कविताओं के महत्त्व की चर्चा कीजिए । *16*

6. नागार्जुन की काव्यगत प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए । *16*

7. माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य के भाव-पक्ष को स्पष्ट कीजिए । *16*

8. अज्ञेय की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । *16*

9. रघुवीर सहाय की स्त्री-दृष्टि को रेखांकित कीजिए । *16*